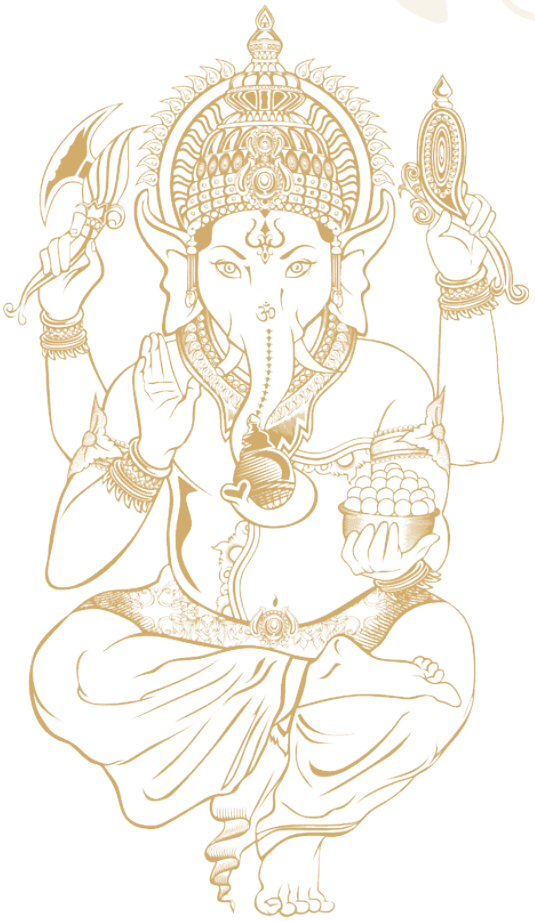

A

B

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121848402

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
16/11/1992	जन्म तिथि	25/08/1993
सोमवार	दिन	बुधवार
घंटे 22:25:00	जन्म समय	18:30:00 घंटे
घटी 39:03:37	जन्म समय(घटी)	31:07:33 घटी
India	देश	India
Jaipur Rly Station	स्थान	Munger
26:54:00 उत्तर	अक्षांश	25:24:00 उत्तर
75:48:00 पूर्व	रेखांश	86:29:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:26:48	स्थानिक संस्कार	00:15:56 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:47:33	सूर्योदय	05:21:43
17:35:38	सूर्यास्त	18:10:09
23:45:43	चित्रपक्षीय अयनांश	23:46:23

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
बुध 11वर्ष 11मा 30दि	09:45:51	कर्क	लग्न	कुंभ	16:14:48	बुध 9वर्ष 5मा 3दि
शुक्र	00:49:58	वृश्चि	सूर्य	सिंह	08:33:51	शुक्र
17/11/2011	20:35:20	कर्क	चंद्र	वृश्चि	22:36:21	28/01/2010
17/11/2031	02:52:48	कर्क	मंगल	कन्या	14:48:11	28/01/2030
शुक्र 18/03/2015	12:20:08	वृश्चि व	बुध	सिंह	04:43:24	शुक्र 30/05/2013
सूर्य 18/03/2016	13:33:55	कन्या	गुरु	कन्या	20:08:26	सूर्य 30/05/2014
चन्द्र 16/11/2017	10:02:51	धनु	शुक्र	कर्क	03:43:08	चन्द्र 29/01/2016
मंगल 16/01/2019	18:53:46	मक	शनि व	कुंभ	02:45:45	मंगल 30/03/2017
राहु 16/01/2022	28:00:19	वृश्चि	राहु व	वृश्चि	14:37:36	राहु 30/03/2020
गुरु 16/09/2024	28:00:19	वृष	केतु व	वृष	14:37:36	गुरु 29/11/2022
शनि 17/11/2027	21:30:41	धनु	हर्ष व	धनु	24:53:26	शनि 28/01/2026
बुध 17/09/2030	23:05:36	धनु	नेप व	धनु	24:56:01	बुध 28/11/2028
केतु 17/11/2031	29:10:28	तुला	प्लूटो	तुला	29:05:37	केतु 28/01/2030

लग्न-चलित

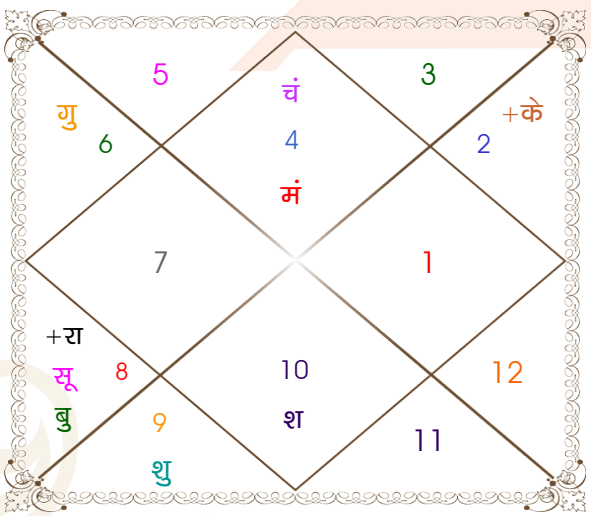

लग्न-चलित

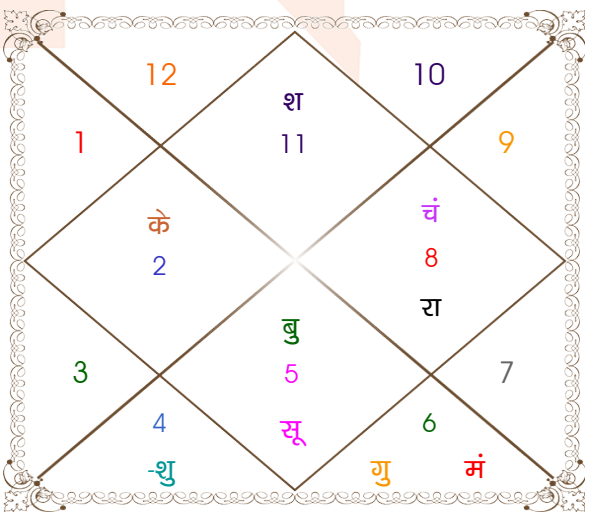

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	विप्र	विप्र	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	जलचर	कीटक	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	जन्म	जन्म	3	3.00	--	भाग्य
योनि	मार्जार	मृग	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	चन्द्र	मंगल	5	4.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	राक्षस	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	कर्क	वृश्चिक	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	आद्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	25.00		

भकूट दोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता है।

A का वर्ग श्वान है तथा B का वर्ग मृग हैA इन दोनों वर्गों में परस्पर मित्रता हैA

अष्टकूट मिलान के अनुसार A और B का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

A मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में प्रथम भाव में स्थित है।

भौमेः वक्रिणि नीचगृहे वाऽर्कस्थेऽपि वा न कुजदोषः।

अर्थात् यदि मंगल वक्री, नीच, अस्त का हो तो मंगल दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल A कि कुण्डली में नीच का है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता हैA

कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।
न मंगली मंगल राहु योग।

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं चन्द्र A कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता हैA

B मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में अष्टम् भाव में स्थित है।

कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।
न मंगली मंगल राहु योग।

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं गुरु B कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

यामित्रे च यदा सौरि लग्ने वा हिबुकेऽथवा।
अष्टमे द्वादशे वापि भौमदोषविनाशकृत्।।

शनि यदि एक की कुंडली में 1,4,7,8,12 वें भावों में हो और दूसरे के मंगल इन्हीं भावों में हों तो मंगल दौष नहीं लगता।

क्योंकि शनि B कि कुण्डली में प्रथम भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

A तथा B में मंगलीक मिलान ठीक हैA

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।